















### दो यात्राओं का फर्क

नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में कांग्रेस की करारी हार हुई। संभवतः तब कांग्रेस को फिर से यात्रा की याद आई। यही कारण है कि मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा का पूरा संदेश बल्लटा हुआ है। राहुल गांधी ने जब सितंबर 2022 में कन्याकुमारी से भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी, तो उसे दलगत तकाजों से ऊपर बताया गया था। देश के एक बड़े जनमत ने भी उसे देश में फैली नफरत और विभाजन की भावना के बीच मरम्मत लगाने की एक गंभीर कोशिश के रूप में देखा। तब राहुल गांधी ने मोहब्बत की दुकान की उपासी से उस यात्रा को बड़ा संदेश देने की कोशिश की थी। 31 जनवरी 2023 को जब वह श्रीनगर में यात्रा समाप्त हुई, तो वहां गिरती बर्फ के बीच दिए गए राहुल गांधी के भाषण लोगों के मन को छूआ। तब लोगों ने समझा था कि एक राजनता देश में बड़ा पैगाम फैलाने के अभियान में निकला है। लेकिन यात्रा की समाप्ति के बाद जल्द ही ये प्रभाव मद्धम पड़ने लगा। लोगों को राहुल गांधी को अभी मेकेनिक और किसान, तो कभी कुली बनें और यहां तक कि पहलवान भी ऐक्टिंग करते देखने का कौतुक प्राप्त हुआ। इस बीच कांग्रेस को कर्नाटक में जीत मिली और उसके बाद राहुल गांधी चुनावी तकाजों में रिम्ट गए। इस बीच जातीय जगणणना को उन्होंने अपना सेंट्रल थैमा बनाया। इस दौरान उनकी जुबान पर 1990 के दशक में प्रचलित हुए मंडलवादी मुहावरे छपे रहे। लेकिन नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तीन हिंदी भाषी प्रदेशों में यह रणनीति मुंह के बल गिरी। संभवतः तब कांग्रेस को फिर से यात्रा की याद आई। चूंकि इस बीच सामाजिक न्याय पार्टी का एजेंडा बन चुका था, तो इसका नाम बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर दिया गया। इससे इस बार मणिपुर से शुरू हुई 67 दिनी यात्रा का पूरा संदेश बल्लटा गया है। शुरुआत में यह यात्रा ये प्रदेशों में विफल रही है कि यह दलगत तकाजों से ऊपर है। इसलिए कांग्रेस से बाहर के हलकों में यह पहलू जैसा आकर्षण पैदा नहीं कर पाई है। पिछली यात्रा में अनेक ऐसे सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग शामिल हुए थे, जो अतीत में कांग्रेस की नीतियों से असहमत रहे हैं। उससे यात्रा में चार चढ़ लगे। यह देखने की बात होगी कि क्या इस बार भी ऐसा हो पाता है।

## बिन सत्ता के नेता कैसे रहे कांग्रेस में

जब भी कांग्रेस का कोई नेता पार्टी छोड़ता है तो उसे नर और पुराने की बाइनेरी में देखा जाता है। इसके अलावा दूसरे पहलुओं पर देखने की जगह नहीं उठाई जाती है। भीड़ियों के सवर्ण की बाइनेरी चूंकि बहुत सुविधाजनक है इसलिए इस पहलू से देख कर समालोचकों को हर बार रफा-दफा कर दिया जाता है। इसमें एक पहलू याद भी है कि इस पहलू से देखने पर राहुल गांधी के ऊपर निष्ठा का साक्ष्य आसान हो जाता है, जो भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के बहुत अमूल्य होंत है। ऐसे नती, जिनका कांग्रेस से मोहभंग नहीं हुआ है या वे केवल एक राजनीतिक कार्यकर्ता से भ्रमल में नहीं आना चाहते हैं, लेकिन राहुल गांधी को पसंद नहीं करते हैं या उनको लगता है कि उनका राजनीतिक करियर राहुल की बजाय वे खतरा पैदा करें हैं वे कांग्रेस की कमजोरी या किसी नेता के पार्टी छोड़ने की घटना को नर और पुराने के परिप्रेष्य में व्याख्यायित करते हैं और भीड़िया व सोशल मीडिया को राहुल पर हमला करने का मोका मुहैया कराते हैं।

पभी जब मिलिंद देववृं ने कांग्रेस छोड़ी तो निम्नाने पर राहुल गांधी आए। समूचा सोशल मीडिया ऐसी पुरत से भर है, जिसमें राहुल पर हमला किया गया है। एक पुरानी तस्वीर शेयर की जा रही है, जिसमें मिलिंद देववृं के साथ मिलिंद प्रसाद, ज्योतिराल सिंघिया, आरपीएन सिंह और सचिन पावट खड़े हैं। इनमें से पावट के अलावा बाकी चार कांग्रेस छोड़ चुके हैं। तीन अभी भाजपा के साथ हैं और मिलिंद देववृं भाजपा की संसदीय शिव सेना में शामिल हुए हैं। सचिन पावट ने भी भाजपा कर ही दी थी लेकिन उनको सिंधिया को तब कामना नहीं मिली तो वे कांग्रेस में ही रह गए और अब उसी में अपने गुरु लाला रहे हैं। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी को गुलामी की कि उनको ऐसे कुपराओं को ओगे बहलाना और उन्हें केंद्र में भेजना कनाया। गणराज्य रूप से यह सही है कि राहुल की तरह ही वे सभी युवावांन हैं और इनको बहुत कम उम्र में केंद्र में भेजा बना दिया गया था। लेकिन इन तथ्यों को अभी जो व्याख्या हो रही है वह व्याख्या 2009 में नहीं हो रही थी। तब इसे राहुल गांधी का मास्टरस्ट्रोक कहा जा रहा था कि उन्होंने चुपचाप कांग्रेस के अंदर नेताओं की दूसरी लयान तैयार कर दी। इसके लिए राहुल गांधी की तारीफ हो रही थी कि उन्होंने नर और युवा नेताओं को ओगे किया है। अलग अलग समय की कसौटी पर दोनो व्याख्याएं सही प्रतीत होंगी। लेकिन उस समय जो मास्टरस्ट्रोक था आज वह प्रतीत्यसिक भूल है। सर्वकालिक सही समझ होने वाले फैसले आमतौर पर राजनीति में कम होते हैं और व्यक्तियों के मामलों में तो और भी कम होते हैं। बहलाना, अगर कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने के घटनाक्रम को नर और पुराने की बाइनेरी में देखें तो सवाल उठना कि अगर पार्टी के भीतर नर और पुराने का विवाद चल रहा है और राहुल गांधी पुराने नेताओं को किनारे कर रहे हैं तो फिर नर नेताओं के पार्टी छोड़ने की बात को केवल राजनीतिक नहीं देखें और अलग अलग बातें लाने कि सही पुराने नेताओं ने पार्टी पर कब्जा रखा है, जिससे नर नेताओं को क्या असमर नहीं मिल रहा है तो फिर पुराने नेताओं के पार्टी छोड़ने का क्या संदेश होगा? थ्यान रहे पार्टी छोड़ने वालों में अगर ज्योतिराल सिंघिया, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह और मिलिंद देववृं जैसे नर नेता ने तो केटैन अमरिंद सिंह, गुलाम नबी आजाद, सुशील जाखड़ जैसे पुराने नेता भी हैं। इसलिए यह सिर्फ नर और पुराने का संघर्ष या पार्टी के आर्थिक मारभेद का मामला नहीं है। वे सिर्फ सहार पर दिखने वाली चीजें हैं। असली कारण कुछ और हैं। असल में कांग्रेस को एकजुट रखने और नेताओं को जोड़े रखने वाली सत्ता की गोंद सुख रही है। कांग्रेस इससे पहले की गणतंत्रा 10 साल तक केंद्र की सत्ता से बाहर नहीं रही और न राज्यों की सत्ता से इतने लंबे समय तक बेदखल रही है। इसका नतीजा यह हुआ है कि नेताओं का पैर थल नहीं रहा है। कांग्रेस को न विषय में रहने की आदत है और न विषय की राजनीति करने का तरीका आता है। कांग्रेस छोड़ कर तुणलत कांग्रेस में जाने से कई साल पहले सुनिश्चता देना एक दिन कहा था कि कांग्रेस सत्ता में रहती है या सत्ता के इन्जाम में रहती है। चूंकि इस तरह का इंतजार लंबा हो गया इसलिए कांग्रेस के नेताओं का भीतर खल हो गया। पहले पांच साल तक तो कांग्रेस नेता सहज रूप से विषय में रहे और इंतजार करते रहे कि अगली बार अपने आप सत्ता में आ जाएंगे। जब दूसरी बार भी कांग्रेस बुरी तरह से हारी तब नेताओं को उम्मीद टूटने लगी और वे दूसरी तरफ सभाना ललशने लगे। अभी स्थिति यह है कि लगातार तीसरे चुनाव में कांग्रेस के लिए अच्छे सभावना नहीं दिख रही हैं और ऊपर से हिंदी पट्टे के तीन राज्यों में कांग्रेस चुनाव हार गई। अगर वहां भी जीती होती तो कुछ हलसिल होने की उम्मीद में नेताओं का पलान रक्का रह सकता था। इतना अलग कारण वैकल्पिक कारण है। राहुल गांधी देश की मौजूदा राजनीति को विचारधारा की दृष्टि से और पर परिभाषित करते हैं। वे नर वर कहते हैं कि भाजपा और आरएसएस के खिलाफ वे विचारधारा की दृष्टि से लड़ रहे हैं। वे नरमत की विचारधारा के खिलाफ मोहब्बत को उठाने लगाने की बात करते हैं। लेकिन असलियत यह है कि भाजपा अलग मध्यागंण और समावेशी राजनीति का रास्ता छोड़ कर कांग्रेस के भीतर दूसरे किस्म की कट्टरपंथी राजनीति में उतर गई है। कई नेताओं ने यह बात अलग अलग तरीके से कही है कि कांग्रेस को नर सरकारी संसदों यानी एनपीओ को तरह या विपण्य के छत्र संगतन की तरह राजनीति नहीं करनी चाहिए। उस तरह की राजनीति थोड़े समय के लिए युवाओं को आकर्षित तो करती है लेकिन चुनाव में सफल नहीं हो पाती है। कांग्रेस एक समय हर तरह की विचारधारा को साथ लेकर चलने वाली पार्टी थी। वह पहले भी भाजपा का विरोध करती थी लेकिन वह वैकल्पिक और एकपंथी नहीं था। हालांकि पहले भी विचारधारा कभी भी कांग्रेस को बांधे रखने वाली गोंद नहीं रही है, जैसा कि भाजपा और वामपंथी पार्टियों में है। फिर भी कांग्रेस में नर हर विषय के लोणों के लिए जाहू भी और उनकी बात सुनी जाती थी वर फिर भी सत्ता संचालन करने में सफल नहीं हो पाते थे। नर मतलब कम होती जा रही है। हालांकि कांग्रेस में अलग अलग जो लोग भाजपा में जा रहे हैं वह अलग विचार रखने की तो और भी गुंजाइश नहीं है लेकिन सब सत्ता का च्यूकन है, जो उनको खींच रहा है। तीसरा कारण यह है कि कांग्रेस की अपनी राजनीति में बहुत स्पष्टता नहीं है। भाजपा पर नरमत फैलाने के आरोप लगाने और उसकी आलोचना करने के अलावा कांग्रेस की कोई स्पष्ट राजनीतिक दृष्टि नहीं दिखती रही है। कुटनीति से लेकर आर्थिक तक कोई वैकल्पिक विचार प्रणाली में पेश नहीं किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी आज जिन आर्थिक नीतियों का विरोध कर रहे हैं वो नीतियां कांग्रेस की मनाहल सिंह सरकार की नीतियों से कैसे अलग हैं। चौथा कारण संगतन की कमजोरी है, जो एक एक करके नेताओं के निष्ण या संस्यस या संसद पलानन के कारण आई है। उसका कांग्रेस के पास कोई समाधान नहीं है। उसके पास न भाजपा के जैसा अनुशासित और बड़ा संसद में और न आरएसएस के जैसी कोई ताकत है, जो सक्की बांधे हो। इसलिए कांग्रेस के अंदर कांग्रेस का समल लीटने का भरसक कम होता जा रहा है।

### तस्वीरों की दुनिया



नई दिल्ली में प्रेस तालव ऑफ लंडिया में संयुक्त विचार गोवा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जयपुर, राजस्थान विधानसभा में आमगण पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पारुषोद देवानी, मुख्यमंत्री मनलाल शर्मा, उमरुदयमंजी प्रमोद वैराव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वागत किया गया।



उत्तराप्रदेश जगदीप धनखंड का जयपुर, राजस्थान विधानसभा में आमगण पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पारुषोद देवानी, मुख्यमंत्री मनलाल शर्मा, उमरुदयमंजी प्रमोद वैराव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वागत किया गया।



कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नागलैंड के चुचुप्रिमलांग में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान गांधी आश्रम का दौरा किया।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल के त्रिपुथार श्री रामनाथी मंदिर में मलयालम रामायण प्रस्तुत करने वाले कलाकारों के साथ।



शिखर के मुल्लामी नीतीश कुमार का गठम में गठम ऑफिसर सिंगे जयसिंग की जयसिंग पर तस्वीर भी हरिद्वार में गठम साहित्य गुटदलार में प्रार्थना करते हुए।

## सौ दिनों में नेतन्याहू और फेल!

इजराइल-हमास युद्ध को शुरू हुए सौ दिनों के बिन पूरे हो गए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने 'पूर्ण विजय' तक लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है। वे इन तथ्यों के बावजूद यह रविया त्यागने की तैयार नहीं है कि युद्ध का नतीजा अनिश्चित है और गाजा में मौतें बढ़ रही हैं। साथ ही यह डर भी बढ रहा है कि लड़ाई एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का स्वरूप ले सकती है। गाजा के अधिकारियों के मुताबिक, इजरायली सेना द्वारा हमास के खिलाफ छोड़े हुए युद्ध में अब तक 23,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएँ और बच्चे हैं। गाजा की ज्यादातर आबादी विस्थापित हो चुकी है। इजराइल ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाते हुए प्रकरण दायर किया है। अमेरिका ने इजराइल से कहा है कि वह सैन्य अभियान को धीमा करे। कई अन्य देशों ने तुरंत युद्धविराम लागू करने की मांग की है। यहूदी-विरोधी विचारधारा यात्रा पकड़ रही है और यहूदियों के प्रति दुनिया की सहानुभूति घट रही है।

इस सबके बाद भी नेतन्याहू ईमान और उसके द्वारा प्रवृत्तित लेखन में विचारधारा और समय में अंतरदृष्टि हलियाँ को लक्ष्यगत रहे हैं। विचारधारा और दुर्लभों द्वारा फिलिस्तीनियों के रूप में एकजुटता दिखाने के लिए एक ही राह लेनी करनी पड़ेगी। यह उद्देश्य का खतरा बढ गया है। अमेरिका भी इस उद्देश्य में शामिल हो गया है। उसने हलियाँ द्वारा व्यापारिक जहाजों पर दो दर्जन से अधिक हमलों की प्रतिक्रिया में पिछले हप्ते यमन में हलियों के अड्डे पर हवाई हमले किए। इजराइल-लेबनान सीमा पर भी गोलियाँ बरस रही हैं, जिसके चलते हजारों इजरायली और लेबनानी आसपास के इलाके छोड़ने को बाध्य हो गए हैं। इजराइल ने चेतावनी दी है कि यदि वापिस लौटने के लिए फिर जा रहे कुटनीतिक प्रयास सफल नहीं हुए तो वह नर भी सैनिक कार्यवाही करेगा। सीमा की धमकियाँ का जवाब देते हुए हिजबुल्लाह के नेता हसन नसराह ने भी धमकी दी। आज 99 दिनों के बाद भी हम युद्ध के लिए तैयार हैं। हम युद्ध से नहीं उठते। इस सबसे नेतन्याहू जरा भी चिंतित नहीं है। वे परतुं माँचें पर नाकामियों के बावजूद आँसु है। वे युद्ध के घोषित लक्ष्यों डू हमास की तबाह करने और बंधकों को मुक्त करने डू को अभी तक हलिसल नहीं कर पाए हैं। और अब नतीजा में बाँधी बंधन में फँस जायेंगे। इजराइल के अर्थव्यवस्था पर भी नरसंहार का आरोप लगाया जा सके है। इजराइल में रविकार, जो वह खुदों का दिन नहीं होता है, बंधकों के रूप में पढ़ने का फैसला किया है। नाजिम ने कहा कि मुस्जुज सरकार खुदों में राष्ट्रवाद की पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ तैयारी के साथ करेगी। उन्होंने कहा कि मंत्रायण को इस सबमें काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है। आणकी बता दी कि राष्ट्रवाद एक अलग विषय के रूप में पढ़ना राष्ट्रवाद डॉ. मोहम्मद मुस्जुज द्वारा चुनाओं के दौरान किने गये प्रयुक्त शब्दों में से एक है। मुस्जुज ने चुनाओं के समय कहा था कि राष्ट्रवाद विचार को एक करके सरकार बंधकों को अनुसूचना विस्थापनी। इतने ही सरकार ने राष्ट्रियता वर की तारीखों में बदलाव करके फारसला भी किया है, जिसके माध्यम से राष्ट्रवाद वर अंदर में समाग होना। नया राष्ट्रियता वर 26 मई से शुरू होने होगा। सरकार ने तारीखों में बदलाव संशुद्धि किया है ताकि उस नया पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तैयारी के लिए वह मातृवदी के संसद में कुछ बड़ी घोषणाएँ कर सकेते हैं। इस वर संसद के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को होगी। मालदीव के संसद सचिवालय के मुताबिक वैकल्पिक मोहम्मद अरसलम ने इस साल के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को सुबह 9 बजे से तय की है। राष्ट्रियता डॉ. मोहम्मद मुस्जुज, जिन्होंने पिछले साल 17 नवंबर को राणय ली थी, उन्ही संसद की उद्घाटन बैठक में अपना पहला राष्ट्रियता भाषण देना होगा। माना जा रहा है कि इस उद्घाटन भाषण में कई बड़ी घोषणाएँ होंगी। इन आणकी बता दें कि सरकार को कामकाज संचालित हुए दो महीने से ज्यादा हो गये हैं।

## मुस्जुज ने राष्ट्रवाद को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवा कर क्या संदेश दिया है

मालदीव के राष्ट्रियता मोहम्मद मुस्जुज चीन की यात्रा से लौटने के बाद से भारत के खिलाफ आक्रामक तैयार आरम्भ हुए हैं और एक के बाद एक ऐसी घोषणाएँ कर रहे हैं कि उनके मन में और भारत के प्रति किलनी कटुता पैदा हुई है। इजराइल मुस्जुज यह तो अपना समिति कटुता रीष आये हैं। हालांकि राजनीति मूलों की जगहाने में मेजर चुनाव में राष्ट्रियता को तीसरा संदेश दे दिया है कि वह भारत विरोध के पाँच पर आगे नहीं बढ़ें लेकिन इजराइल तो अपना दिमाग बौद्धिक को जैसे बंध आये हैं। नरनामाल ही विचारधारा से मुसलमानों के कान्ट मुस्जुज देशा प्रवृत्तित है कि एक अर उन्हीने वैसा ही रखा अपने देश में अपनाता का निष्णय ले लिया है। इसके लिए मालदीव की सरकार कई बड़े कदम उठाने जा रही है। इसके पहले मुस्जुज सरकार ने अरम रीशियरिफ के रूप में शामिल करने की घोषणा की। चीन की यात्रा से लौटने के बाद राष्ट्रियता मोहम्मद मुस्जुज ने अपने मॉडमंडल की जो पहली बैठक की उन्हीने यह मालवृण फैसला किया गया। मॉडमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए राष्ट्रियता के प्रधान सचिव अब्दुल्ला नाजिम इनाबिम ने कहा कि यह निर्णय युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद के दिग्दर्शकों और मूल्यां के प्रति समाज को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। नाजिम ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो राष्ट्रवाद को और देश के प्रति प्रेम रहे। उन्होंने कहा कि मालदीव राष्ट्रवाद की पुनर्जाति करना चाहता है यदि कारों के लिए सामाजिक परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रियता पाठ्यक्रम में राष्ट्रवाद को एक अलग विषय

### राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

वृष राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

मिथुन राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

कर्क राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

कन्य राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

मकर राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।

मीन राशि: आज का दिन आपको फिर बहाव करने का है। आप किसी भी नए काम में हिंसा से आगे बढ़ें। आपका ध्यान अपने करियर पर होना चाहिए। आप अपने काम में सफल हो सकते हैं।







# अचानक से ज्यादा थकान लग रहा है तो खाएं ये पांच चीजें, इंस्टेंट मिलेगी एनर्जी, तुरंत हो जाएंगे ठीक

हमारी अक्सर जिंदगी में अक्सर शारीरिक और मानसिक रूप से थकान महसूस होने लगती है। जैसे समय तक काम करने, कम नींद लेने या अनियमित खानपान की वजह से हमें कमजोरी और सुस्ती का अनुभव होता है। कुछ ऐसे स्ूपरफूड हैं जिनमें प्रोटीन, कार्ब्स, हेल्थी फैट, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ग्रीन टी- ग्रीन टी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कि पॉलीफेनॉल शरीर को कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं। ये आक्सिडीयटिव क्षति से लड़ते हैं जो थकान का कारण बन सकता है। इसके अलावा ग्रीन टी में एपीजी एरिथ्र, विटामिन क कॉम्प्लेक्स और कैपेन जैसे तत्व भी पाए जाते हैं जो ऊर्जा स्तर को बढ़ाकर थकान और कमजोरी को दूर करने में मदद करते हैं। इसीलिए नियमित रूप से ग्रीन टी पीने से थकान दूर होती है और मानसिक तनाव भी कम होता है।

डार्क चॉकलेट- डार्क चॉकलेट में कैपेन और फ्लेवोनॉयड नामक दो रसायन होते हैं जो हमारी थकान दूर करने में मदद करते हैं। कैपेन हमारे शरीर को संतुष्ट करता है और फ्लेवोनॉयड दिमाग को तरोताजा करता है। इन दोनों के कारण डार्क चॉकलेट



कुछ ठीक मिर्चों में हमारी थकान को दूर कर देती है और हमें फेश महसूस कराती है।

सूखे मेवे- सूखे मेवों में मैग्नीशियम, आयरन, जिंक और सेलेनियम जैसे मिनरल्स होते हैं जो शारीरिक और मानसिक थकान को कम करते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो सेल्स को डैमेज से बचाते हैं। साथ ही प्रोटीन और फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाकर ऊर्जा लेवल को बढ़ाने में मदद करते हैं। इसलिए सूखे मेवे खाने से थकान आसानी से दूर हो जाती है।

अंडे- अंडों में पाए जाने वाले प्रोटीन और हेल्थी फैट तत्व शरीर को ऊर्जा देते हैं। अंडों को जड़ों में भरपूर मात्रा में विटामिन डी12 पाया जाता है जो एनजी मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा, अंडों में आयरन, जिंक, सेलेनियम और अन्य खनिज पाए जाते हैं जो शारीरिक और मानसिक थकान को कम करने का काम करते हैं। इसलिए अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो अपने डाइट में अंडे शामिल करें।

फलों का रस- किन्हीं भी फल का ताजा रस पीने से विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं जो थकान और कमजोरी को दूर करने में मदद करता है और शरीर में ताजगी लाता है।

## सूर्य और दिशा पाटनी की कंगुवा का नया पोस्टर जारी, दिखा धांसू अवतार



दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता सूर्य पिछले खूबे वक्त से अपनी आने वाली फिल्म 'कंगुवा' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इतिहास की खगम है क्योंकि इसमें जैएफ वॉलिंगटन अभिनेत्री दिशा पाटनी अतिथि भूमिका में कदम रखने जा रही हैं। इसमें बॉबी अशोली भी अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। इस वक्त आप निम्नलिखित आने चूका है। इसमें सूर्य का भाई अक्षर देखने को मिल रहा है। फिल्म में सूर्य कभी नहीं देखे

## बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान की डंकी का खेल खलब खल

शाहरुख खान के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा। 4 साल बाद परदे पर वापसी करने वाले अभिनेता ने लगातार 3 हिट फिल्में दी। इनके अलावा नए बॉक्स ऑफिस पर बुजुर्गों का कब्रिस्तान और कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इसके बाद किंग खान की तीसरी फिल्म डंकी भी लोगों का दिल जीतने में कामयाब रही। यह फिल्म पिछले 4 सप्ताह से बॉक्स ऑफिस पर है। हालांकि, अब डंकी का खेल खलब हो चुका है। अब डंकी के कमाई के 26वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं। फिल्म को कमाई अब लाखों में सिमट गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने चौथे सप्ताह 50 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 224.82 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का 250 करोड़ रुपये तक पहुंच पाया। बटुट मुखर्जक के दिग्दर्शन में बनी 460.70 करोड़ रुपये की कमाई की है। डंकी में शाहरुख पहली बार अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ इस्क फरमाते नजर आ रहे हैं और दोनों को जोड़ी का काम परदे किया जा रहा है।

## कहीं आप भी तो गलत टाइम पर नहीं पी रहे चाय, जान लें परफेक्ट टाइम, वरना...



चाय हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है। कई लोगों को सुबह चाय से शुरुआत है तो कुछ लोग चाय को चाय पीना पसंद करते हैं। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें दिनभर चाय पीना पसंद होता है। दूध और चीनी से बनी चाय को चुस्की से दिन की शुरुआत करीब 69 प्रतिशत भारतीय करते हैं। हालांकि, उन्हें चाय पीने का सही समय पता नहीं होता है। अगर आप भी चाय के शौकीन हैं तो चाय पीने का परफेक्ट टाइम (अड्ड क्राइडलक ड्रइंग) जान लेना चाहिए, ताकि किसी तरह के

नुकसान से बच सकें। जहाँ चाय पीने का सबसे सही समय कौन सा है...

कम नहीं पीनी चाहिए- हमारे देश में ज्यादातर लोग बेड पर ही चाय पीना पसंद करते हैं। उन्हें सुबह उठने के साथ ही गरमा-गरम बेड टी चाहिए होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह उठने बाद खाली पेट चाय पीना नुकसानदायक हो सकता है। इसकी वजह से एसिडिटी परेशान कर सकती है। इतना ही नहीं खाली पेट चाय पीने से ब्लड शुगर लेवल काफी ज्यादा बढ़ सकता है। कुछ लोग रात में भी चाय पीते हैं। ये भी गलत टाइम माना जाता है। क्योंकि इससे नींद में खलल पड़ सकता है। चाय पीने का सबसे सही टाइम अगर आपको चाय पीना पसंद है तो चाय पीने के दो घंटे बाद चाय पीने का सबसे सही समय होता है। चाय पीने से पहले कुछ खाने का

इससे चाय का निर्दिष्ट अमर शरीर पर नहीं पड़ता है। सही तरीके और सही समय पर चाय पीने के फायदे भी हो सकते हैं। सुबह बेड टी पीने वालों को हेल्थ एक्सपर्ट्स अपनी इत आदत को बदलने की सलाह देते हैं। क्योंकि सुबह-सुबह चाय पीने से सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।

चाय पीने के क्या-क्या फायदे हैं- एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर सोने से करीब 10 मिनट पहले चाय पीना जाए तो इससे अच्छा नींद आती है। चाय से शरीर के अंदर सूजन को समझाया जा सकता है। चाय काडिओलेशन करने में काम करने में मदद करती है। इससे नेरोटिक्टिटी और डस्टमी भी कम होती है। कब्ज और स्ट्रेस को समस्या भी चाय पीने से दूर हो सकती है। हालांकि, चाय को लत नहीं लगाने देना चाहिए। ज्यादा चाय पीना हार्मिक हो सकता है। इससे एसिडिटी, डाइजेस्टन और नींद की समस्या हो सकती है।

## फाइटर का ट्रेलर रिलीज, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के हवाई एक्शन ने उड़ाए होश

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण को जोड़ी वाली फिल्म फाइटर को लेकर दर्शकों फिल्म में एक ब्रेकआउट ऑफिशर फरक केरन रावेंद्रा जय सिंह उन्हें रॉकी को दमदार भूमिका में दिख रहे हैं। यह फिल्म 25 जनवरी को सिनेमाघरों में आने वाली है। इंटरनेट सूची डेटाबेस (आइएडीबी) ने पिछले दिनों 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी की थी। इस सूची में शीर्ष 20 फिल्मों को शामिल किया गया, लेकिन फिल्म फाइटर ने सबसे ऊपर पड़ा। यहाँ तक कि साइब की ब्लॉकबस्टर फिल्म गुप्ता का दूसरा भाग गुप्ता 2; रूपा भी पीछे छूट गया।



आइएडीबी ने पिछले दिनों 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी की थी। इस सूची में शीर्ष 20 फिल्मों को शामिल किया गया, लेकिन फिल्म फाइटर ने सबसे ऊपर पड़ा। यहाँ तक कि साइब की ब्लॉकबस्टर फिल्म गुप्ता का दूसरा भाग गुप्ता 2; रूपा भी पीछे छूट गया।

## हुमा कुरैशी की महारानी 3 का टीजर आया सामने, उन्मा अदाकारी ने फिर जीता दिल



साल 2021 में आई वेब सीरीज महारानी को काफी पसंद किया गया था। इसमें हुमा कुरैशी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। सीरीज में उनका अदाकारी को खूब प्रशंसा हुई। महारानी को आपर सफलता के बाद 2022 में इसका दूसरा भाग आया है। अब महारानी का तीसरा सीजन दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लाइव रहा है। इस बीच महारानी 3 का दमदार टीजर सामने आ चुका है। उनका उन्मा अदाकारी ने फिर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। महारानी 3 जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्मों से भी लॉन्च कर दिया जाएगा। फिल्मदाता इन्को रिलीज करने के लिए तैयार रहा है। फिर आ रही है महारानी 3 में हुमा कुरैशी, हुमा कुरैशी, अजुजा साहेब और इनामुल्लाहक भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सुभाष कर्कर द्वारा निर्मित महारानी में हुमा को रानी भारती के चिकित्सक में दिखाई देंगे, जो एक गांव की महिला से बिहार को मुहम्मद्री बनती है।

शाहरुख खान को फिल्म पत्रक के निदेशक सिद्धार्थ आनंद के निदेशन में बनी फाइटर में ऋतिक खंडन लोहर शोमेश पजनिजा उर्फ पीटी के रोल में हैं, जबकि अदाकारी ने फिटर जीता दिल में एक क्राइम लीडर मीनाल रावेंद्रा उर्फ मिमी के चिकित्सक में दिख रहे हैं, वहीं अजुजा साहेब ने फिटर जीता दिल में एक क्राइम लीडर मीनाल रावेंद्रा उर्फ मिमी के चिकित्सक में दिख रहे हैं, वहीं अजुजा साहेब ने फिटर जीता दिल में एक क्राइम लीडर मीनाल रावेंद्रा उर्फ मिमी के चिकित्सक में दिख रहे हैं।

## इंडियन पुलिस फोर्स का पहला गाना जारी



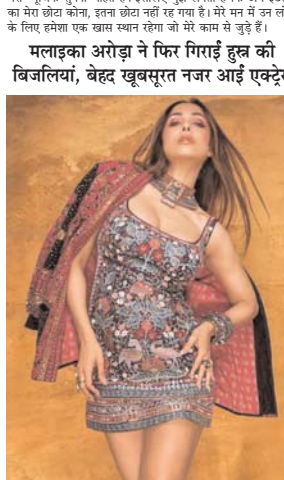
भारतीय सिनेमा के जाने-माने निदेशक रोहित शेट्टी बड़े पैमाने पर अपनी फिल्मों के जरिए धमाल मचाते के बाद आ ओटीडी पर अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स लेकर आते हैं। इसमें सिद्धार्थ मल्लिक, सिल्या शेट्टी और इशा तलवार मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इस निर्माताओं ने फिल्म के 39वें बजटवित्त पर इंडियन पुलिस फोर्स का पहला गाना बैरिया रे जारी कर दिया है, जिसमें सिद्धार्थ पहली बार इशा संग इस्क फरमाते नजर आ रहे हैं। इंडियन पुलिस फोर्स के इस गाने को विशाल मिश्रा ने आवाज दी है। इस गाने के बोल सिद्धार्थ पटोले ने लिखे हैं। निर्माताओं ने गाना साझा करते हुए लिखा, प्रेम को धुन में अपने आप को छो दो।

## में अक्सर लोगों की सलाह को नजरअंदाज कर वही करती हूँ, जो मेरा दिल करता है : अदिति सहगल



भारतीय म्यूजिशियन और एक्ट्रेस अदिति सहगल, जिन्हें डॉट के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने साझा किया है कि कैसे सोशल मीडिया हमेशा उनके प्रति प्रेरणा देता है, उन्होंने खुद को एक ऐसा कलाकार बताया है जो अक्सर सलाह को नजरअंदाज कर देती है।

## मलाइका अरोड़ा ने फिर गिराई हुस्र की बिजलियां, बेहद खूबसूरत नजर आई एक्ट्रेस



एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की ताजी फैन फॉलोइंग है। मलाइका अब तक मॉडलिस्ट को कई फिल्मों में आइटम सॉंग पर चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

## शब्द सामर्थ्य - 307

अक्षरों से उत्पन्न शब्दों का संग्रह।

1. चौड़ी और लम्बी उच्चारण, 14. गुरु-वाचक, 15. गुरु-वाचक, 16. गुरु-वाचक, 17. गुरु-वाचक, 18. गुरु-वाचक, 19. गुरु-वाचक, 20. गुरु-वाचक, 21. गुरु-वाचक, 22. गुरु-वाचक, 23. गुरु-वाचक, 24. गुरु-वाचक, 25. गुरु-वाचक, 26. गुरु-वाचक, 27. गुरु-वाचक, 28. गुरु-वाचक, 29. गुरु-वाचक, 30. गुरु-वाचक, 31. गुरु-वाचक, 32. गुरु-वाचक, 33. गुरु-वाचक, 34. गुरु-वाचक, 35. गुरु-वाचक, 36. गुरु-वाचक, 37. गुरु-वाचक, 38. गुरु-वाचक, 39. गुरु-वाचक, 40. गुरु-वाचक, 41. गुरु-वाचक, 42. गुरु-वाचक, 43. गुरु-वाचक, 44. गुरु-वाचक, 45. गुरु-वाचक, 46. गुरु-वाचक, 47. गुरु-वाचक, 48. गुरु-वाचक, 49. गुरु-वाचक, 50. गुरु-वाचक, 51. गुरु-वाचक, 52. गुरु-वाचक, 53. गुरु-वाचक, 54. गुरु-वाचक, 55. गुरु-वाचक, 56. गुरु-वाचक, 57. गुरु-वाचक, 58. गुरु-वाचक, 59. गुरु-वाचक, 60. गुरु-वाचक, 61. गुरु-वाचक, 62. गुरु-वाचक, 63. गुरु-वाचक, 64. गुरु-वाचक, 65. गुरु-वाचक, 66. गुरु-वाचक, 67. गुरु-वाचक, 68. गुरु-वाचक, 69. गुरु-वाचक, 70. गुरु-वाचक, 71. गुरु-वाचक, 72. गुरु-वाचक, 73. गुरु-वाचक, 74. गुरु-वाचक, 75. गुरु-वाचक, 76. गुरु-वाचक, 77. गुरु-वाचक, 78. गुरु-वाचक, 79. गुरु-वाचक, 80. गुरु-वाचक, 81. गुरु-वाचक, 82. गुरु-वाचक, 83. गुरु-वाचक, 84. गुरु-वाचक, 85. गुरु-वाचक, 86. गुरु-वाचक, 87. गुरु-वाचक, 88. गुरु-वाचक, 89. गुरु-वाचक, 90. गुरु-वाचक, 91. गुरु-वाचक, 92. गुरु-वाचक, 93. गुरु-वाचक, 94. गुरु-वाचक, 95. गुरु-वाचक, 96. गुरु-वाचक, 97. गुरु-वाचक, 98. गुरु-वाचक, 99. गुरु-वाचक, 100. गुरु-वाचक, 101. गुरु-वाचक, 102. गुरु-वाचक, 103. गुरु-वाचक, 104. गुरु-वाचक, 105. गुरु-वाचक, 106. गुरु-वाचक, 107. गुरु-वाचक, 108. गुरु-वाचक, 109. गुरु-वाचक, 110. गुरु-वाचक, 111. गुरु-वाचक, 112. गुरु-वाचक, 113. गुरु-वाचक, 114. गुरु-वाचक, 115. गुरु-वाचक, 116. गुरु-वाचक, 117. गुरु-वाचक, 118. गुरु-वाचक, 119. गुरु-वाचक, 120. गुरु-वाचक, 121. गुरु-वाचक, 122. गुरु-वाचक, 123. गुरु-वाचक, 124. गुरु-वाचक, 125. गुरु-वाचक, 126. गुरु-वाचक, 127. गुरु-वाचक, 128. गुरु-वाचक, 129. गुरु-वाचक, 130. गुरु-वाचक, 131. गुरु-वाचक, 132. गुरु-वाचक, 133. गुरु-वाचक, 134. गुरु-वाचक, 135. गुरु-वाचक, 136. गुरु-वाचक, 137. गुरु-वाचक, 138. गुरु-वाचक, 139. गुरु-वाचक, 140. गुरु-वाचक, 141. गुरु-वाचक, 142. गुरु-वाचक, 143. गुरु-वाचक, 144. गुरु-वाचक, 145. गुरु-वाचक, 146. गुरु-वाचक, 147. गुरु-वाचक, 148. गुरु-वाचक, 149. गुरु-वाचक, 150. गुरु-वाचक, 151. गुरु-वाचक, 152. गुरु-वाचक, 153. गुरु-वाचक, 154. गुरु-वाचक, 155. गुरु-वाचक, 156. गुरु-वाचक, 157. गुरु-वाचक, 158. गुरु-वाचक, 159. गुरु-वाचक, 160. गुरु-वाचक, 161. गुरु-वाचक, 162. गुरु-वाचक, 163. गुरु-वाचक, 164. गुरु-वाचक, 165. गुरु-वाचक, 166. गुरु-वाचक, 167. गुरु-वाचक, 168. गुरु-वाचक, 169. गुरु-वाचक, 170. गुरु-वाचक, 171. गुरु-वाचक, 172. गुरु-वाचक, 173. गुरु-वाचक, 174. गुरु-वाचक, 175. गुरु-वाचक, 176. गुरु-वाचक, 177. गुरु-वाचक, 178. गुरु-वाचक, 179. गुरु-वाचक, 180. गुरु-वाचक, 181. गुरु-वाचक, 182. गुरु-वाचक, 183. गुरु-वाचक, 184. गुरु-वाचक, 185. गुरु-वाचक, 186. गुरु-वाचक, 187. गुरु-वाचक, 188. गुरु-वाचक, 189. गुरु-वाचक, 190. गुरु-वाचक, 191. गुरु-वाचक, 192. गुरु-वाचक, 193. गुरु-वाचक, 194. गुरु-वाचक, 195. गुरु-वाचक, 196. गुरु-वाचक, 197. गुरु-वाचक, 198. गुरु-वाचक, 199. गुरु-वाचक, 200. गुरु-वाचक, 201. गुरु-वाचक, 202. गुरु-वाचक, 203. गुरु-वाचक, 204. गुरु-वाचक, 205. गुरु-वाचक, 206. गुरु-वाचक, 207. गुरु-वाचक, 208. गुरु-वाचक, 209. गुरु-वाचक, 210. गुरु-वाचक, 211. गुरु-वाचक, 212. गुरु-वाचक, 213. गुरु-वाचक, 214. गुरु-वाचक, 215. गुरु-वाचक, 216. गुरु-वाचक, 217. गुरु-वाचक, 218. गुरु-वाचक, 219. गुरु-वाचक, 220. गुरु-वाचक, 221. गुरु-वाचक, 222. गुरु-वाचक, 223. गुरु-वाचक, 224. गुरु-वाचक, 225. गुरु-वाचक, 226. गुरु-वाचक, 227. गुरु-वाचक, 228. गुरु-वाचक, 229. गुरु-वाचक, 230. गुरु-वाचक, 231. गुरु-वाचक, 232. गुरु-वाचक, 233. गुरु-वाचक, 234. गुरु-वाचक, 235. गुरु-वाचक, 236. गुरु-वाचक, 237. गुरु-वाचक, 238. गुरु-वाचक, 239. गुरु-वाचक, 240. गुरु-वाचक, 241. गुरु-वाचक, 242. गुरु-वाचक, 243. गुरु-वाचक, 244. गुरु-वाचक, 245. गुरु-वाचक, 246. गुरु-वाचक, 247. गुरु-वाचक, 248. गुरु-वाचक, 249. गुरु-वाचक, 250. गुरु-वाचक, 251. गुरु-वाचक, 252. गुरु-वाचक, 253. गुरु-वाचक, 254. गुरु-वाचक, 255. गुरु-वाचक, 256. गुरु-वाचक, 257. गुरु-वाचक, 258. गुरु-वाचक, 259. गुरु-वाचक, 260. गुरु-वाचक, 261. गुरु-वाचक, 262. गुरु-वाचक, 263. गुरु-वाचक, 264. गुरु-वाचक, 265. गुरु-वाचक, 266. गुरु-वाचक, 267. गुरु-वाचक, 268. गुरु-वाचक, 269. गुरु-वाचक, 270. गुरु-वाचक, 271. गुरु-वाचक, 272. गुरु-वाचक, 273. गुरु-वाचक, 274. गुरु-वाचक, 275. गुरु-वाचक, 276. गुरु-वाचक, 277. गुरु-वाचक, 278. गुरु-वाचक, 279. गुरु-वाचक, 280. गुरु-वाचक, 281. गुरु-वाचक, 282. गुरु-वाचक, 283. गुरु-वाचक, 284. गुरु-वाचक, 285. गुरु-वाचक, 286. गुरु-वाचक, 287. गुरु-वाचक, 288. गुरु-वाचक, 289. गुरु-वाचक, 290. गुरु-वाचक, 291. गुरु-वाचक, 292. गुरु-वाचक, 293. गुरु-वाचक, 294. गुरु-वाचक, 295. गुरु-वाचक, 296. गुरु-वाचक, 297. गुरु-वाचक, 298. गुरु-वाचक, 299. गुरु-वाचक, 300. गुरु-वाचक, 301. गुरु-वाचक, 302. गुरु-वाचक, 303. गुरु-वाचक, 304. गुरु-वाचक, 305. गुरु-वाचक, 306. गुरु-वाचक, 307. गुरु-वाचक, 308. गुरु-वाचक, 309. गुरु-वाचक, 310. गुरु-वाचक, 311. गुरु-वाचक, 312. गुरु-वाचक, 313. गुरु-वाचक, 314. गुरु-वाचक, 315. गुरु-वाचक, 316. गुरु-वाचक, 317. गुरु-वाचक, 318. गुरु-वाचक, 319. गुरु-वाचक, 320. गुरु-वाचक, 321. गुरु-वाचक, 322. गुरु-वाचक, 323. गुरु-वाचक, 324. गुरु-वाचक, 325. गुरु-वाचक, 326. गुरु-वाचक, 327. गुरु-वाचक, 328. गुरु-वाचक, 329. गुरु-वाचक, 330. गुरु-वाचक, 331. गुरु-वाचक, 332. गुरु-वाचक, 333. गुरु-वाचक, 334. गुरु-वाचक, 335. गुरु-वाचक, 336. गुरु-वाचक, 337. गुरु-वाचक, 338. गुरु-वाचक, 339. गुरु-वाचक, 340. गुरु-वाचक, 341. गुरु-वाचक, 342. गुरु-वाचक, 343. गुरु-वाचक, 344. गुरु-वाचक, 345. गुरु-वाचक, 346. गुरु-वाचक, 347. गुरु-वाचक, 348. गुरु-वाचक, 349. गुरु-वाचक, 350. गुरु-वाचक, 351. गुरु-वाचक, 352. गुरु-वाचक, 353. गुरु-वाचक, 354. गुरु-वाचक, 355. गुरु-वाचक, 356. गुरु-वाचक, 357. गुरु-वाचक, 358. गुरु-वाचक, 359. गुरु-वाचक, 360. गुरु-वाचक, 361. गुरु-वाचक, 362. गुरु-वाचक, 363. गुरु-वाचक, 364. गुरु-वाचक, 365. गुरु-वाचक, 366. गुरु-वाचक, 367. गुरु-वाचक, 368. गुरु-वाचक, 369. गुरु-वाचक, 370. गुरु-वाचक, 371. गुरु-वाचक, 372. गुरु-वाचक, 373. गुरु-वाचक, 374. गुरु-वाचक, 375. गुरु-वाचक, 376. गुरु-वाचक, 377. गुरु-वाचक, 378. गुरु-वाचक, 379. गुरु-वाचक, 380. गुरु-वाचक, 381. गुरु-वाचक, 382. गुरु-वाचक, 383. गुरु-वाचक, 384. गुरु-वाचक, 385. गुरु-वाचक, 386. गुरु-वाचक, 387. गुरु-वाचक, 388. गुरु-वाचक, 389. गुरु-वाचक, 390. गुरु-वाचक, 391. गुरु-वाचक, 392. गुरु-वाचक, 393. गुरु-वाचक, 394. गुरु-वाचक, 395. गुरु-वाचक, 396. गुरु-वाचक, 397. गुरु-वाचक, 398. गुरु-वाचक, 399. गुरु-वाचक, 400. गुरु-वाचक, 401. गुरु-वाचक, 402. गुरु-वाचक, 403. गुरु-वाचक, 404. गुरु-वाचक, 405. गुरु-वाचक, 406. गुरु-वाचक, 407. गुरु-वाचक, 408. गुरु-वाचक, 409. गुरु-वाचक, 410. गुरु-वाचक, 411. गुरु-वाचक, 412. गुरु-वाचक, 413. गुरु-वाचक, 414. गुरु-वाचक, 415. गुरु-वाचक, 416. गुरु-वाचक, 417. गुरु-वाचक, 418. गुरु-वाचक, 419. गुरु-वाचक, 420. गुरु-वाचक, 421. गुरु-वाचक, 422. गुरु-वाचक, 423. गुरु-वाचक, 424. गुरु-वाचक, 425. गुरु-वाचक, 426. गुरु-वाचक, 427. गुरु-वाचक, 428. गुरु-वाचक, 429. गुरु-वाचक, 430. गुरु-वाचक, 431. गुरु-वाचक, 432. गुरु-वाचक, 433. गुरु-वाचक, 434. गुरु-वाचक, 435. गुरु-वाचक, 436. गुरु-वाचक, 437. गुरु-वाचक, 438. गुरु-वाचक, 439. गुरु-वाचक, 440. गुरु-वाचक, 441. गुरु-वाचक, 442. गुरु-वाचक, 443. गुरु-वाचक, 444. गुरु-वाचक, 445. गुरु-वाचक, 446. गुरु-वाचक, 447. गुरु-वाचक, 448. गुरु-वाचक, 449. गुरु-वाचक, 450. गुरु-वाचक, 451. गुरु-वाचक, 452. गुरु-वाचक, 453. गुरु-वाचक, 454. गुरु-वाचक, 455. गुरु-वाचक, 456. गुरु-वाचक, 457. गुरु-वाचक, 458. गुरु-वाचक, 459. गुरु-वाचक, 460. गुरु-वाचक, 461. गुरु-वाचक, 462. गुरु-वाचक, 463. गुरु-वाचक, 464. गुरु-वाचक, 465. गुरु-वाचक, 466. गुरु-वाचक, 467. गुरु-वाचक, 468. गुरु-वाचक, 469. गुरु-वाचक, 470. गुरु-वाचक, 471. गुरु-वाचक, 472. गुरु-वाचक, 473. गुरु-वाचक, 474. गुरु-वाचक, 475. गुरु-वाचक, 476. गुरु-वाचक, 477. गुरु-वाचक, 478. गुरु-वाचक, 479. गुरु-वाचक, 480. गुरु-वाचक, 481. गुरु-वाचक, 482. गुरु-वाचक, 483. गुरु-वाचक, 484. गुरु-वाचक, 485. गुरु-वाचक, 486. गुरु-वाचक, 487. गुरु-वाचक, 488. गुरु-वाचक, 489. गुरु-वाचक, 490. गुरु-वाचक, 491. गुरु-वाचक, 492. गुरु-वाचक, 493. गुरु-वाचक, 494. गुरु-वाचक, 495. गुरु-वाचक, 496. गुरु-वाचक, 497. गुरु-वाचक, 498. गुरु-वाचक, 499. गुरु-वाचक, 500. गुरु-वाचक, 501. गुरु-वाचक, 502. गुरु-वाचक, 503. गुरु-वाचक, 504. गुरु-वाचक, 505. गुरु-वाचक, 506. गुरु-वाचक, 507. गुरु-वाचक, 508. गुरु-वाचक, 509. गुरु-वाचक, 510. गुरु-वाचक, 511. गुरु-वाचक, 512. गुरु-वाचक, 513. गुरु-वाचक, 514. गुरु-वाचक, 515. गुरु-वाचक, 516. गुरु-वाचक, 517. गुरु-वाचक, 518. गुरु-वाचक, 519. गुरु-वाचक, 520. गुरु-वाचक, 521. गुरु-वाचक, 522. गुरु-वाचक, 523. गुरु-वाचक, 524. गुरु-वाचक, 525. गुरु-वाचक, 526. गुरु-वाचक, 527. गुरु-वाचक, 528. गुरु-वाचक, 529. गुरु-वाचक, 530. गुरु-वाचक, 531. गुरु-वाचक, 532. गुरु-वाचक, 533. गुरु-वाचक, 534. गुरु-वाचक, 535. गुरु-वाचक, 536. गुरु-वाचक, 537. गुरु-वाचक, 538. गुरु-वाचक, 539. गुरु-वाचक, 540. गुरु-वाचक, 541. गुरु-वाचक, 542. गुरु-वाचक, 543. गुरु-वाचक, 544. गुरु-वाचक, 545. गुरु-वाचक, 546. गुरु-वाचक, 547. गुरु-वाचक, 548. गुरु-वाचक, 549. गुरु-वाचक, 550. गुरु-वाचक, 551. गुरु-वाचक, 552. गुरु-वाचक, 553. गुरु-वाचक, 554. गुरु-वाचक, 555. गुरु-वाचक, 556. गुरु-वाचक, 557. गुरु-वाचक, 558. गुरु-वाचक, 559. गुरु-वाचक, 560. गुरु-वाचक, 561. गुरु-वाचक, 562. गुरु-वाचक, 563. गुरु-वाचक, 564. गुरु-वाचक, 565. गुरु-वाचक, 566. गुरु-वाचक, 567. गुरु-वाचक, 568. गुरु-वाचक, 569. गुरु-वाचक, 570. गुरु-वाचक, 571. गुरु-वाचक, 572. गुरु-वाचक, 573. गुरु-वाचक, 574. गुरु-वाचक, 575. गुरु-वाचक, 576. गुरु-वाचक, 577. गुरु-वाचक, 578. गुरु-वाचक, 579. गुरु-वाचक, 580. गुरु-वाचक, 581. गुरु-वाचक, 582. गुरु-वाचक, 583. गुरु-वाचक, 584. गुरु-वाचक, 585. गुरु-वाचक, 586. गुरु-वाचक, 587. गुरु-वाचक, 588. गुरु-वाचक, 589. गुरु-वाचक, 590. गुरु-वाचक, 591. गुरु-वाचक, 592. गुरु-वाचक, 593. गुरु-वाचक, 594. गुरु-वाचक, 595. गुरु-वाचक, 596. गुरु-वाचक, 597. गुरु-वाचक, 598. गुरु-वाचक, 599. गुरु-वाचक, 600. गुरु-वाचक, 601. गुरु-वाचक, 602. गुरु-वाचक, 603. गुरु-वाचक, 604. गुरु-वाचक, 605. गुरु-वाचक, 606. गुरु-वाचक, 607. गुरु-वाचक







# ट्रक से भिड़ी बस, 18 यात्री घायल

## बिहार के सासाराम से कोरबा आ रही थी बस

**कोरबा:** मध्य रात्रि को नेपाल हाईवे संख्या 130बी पर कोरबा जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर हुए हादसे में 18 यात्री घायल हो गए। यह सभी उस बस का हिस्सा थे, जो हादसे पर खड़े एक ट्रक से जा भिड़ी। पुलिस को इस बारे में जानकारी मिलने के बाद तुरंत सेवा देते हुए पॉलिथीन को अस्पताल भिजवाया गया जहाँ उन्हें उपचार प्राप्त हुआ। घायलों को बाहर करने के साथ पुलिस ने जवाबदेही तब तक नहीं छोड़ा कि सब ठीक हो गया।

विद्यापुर ऑटोकार पर नेपाल हाईवे 130बी पर मोरगा पुलिस चौकी से 5 किलोमीटर पहले हादसे में भीड़ के नजदीक यह घटना देर रात 1 बजे हुई। तरुण छातीसंगड़ को मिली सूचनाओं में बताया गया कि बिहार प्रदेश के सासाराम जिले से कोरबा के लिए गुप्ता ट्रेलरबस को बस संचालित होती है, जो बुधवार को श्याम गाँवियों को लेकर रवाना हुई। ऑटोकार पर 15 मिस्ट्रक का बिजाम लेने के बाद यात्री बस में अपने गंतव्य के लिए मुद्र किया। कोरबा जिले की सीमा में प्रवेश करने के कुछ देर बाद ही यात्री बस हादसे पर खड़े एक ट्रक से जा भिड़ी। ट्रक के साथ बस में संघर्ष कर रहे गाँवियों में कोरबाम पंच गण। स्लीपर अक्षय में सो रहे



दुर्घटनाग्रस्त गुप्ता ट्रेलरबस की बस और इसमें सफर करने के दौरान घायल हुए यात्री।

कुछ यात्री नीचे गिर पड़े जबकि नीचे की सीट पर मौजूद गाँवियों की भी घटना में जोर आया।

6 महिलाओं समेत 18 यात्री इस घटना में घायल हुए हैं। मुख्य गंवार पर हुए हादसे को जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस की

खपल 112 टोल टुकट घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके को जांचना लेने के साथ अलग-अलग वाहन के जर्जर पॉलिथीन को पीछी उपरीयुद्ध के सरकारी संपुष्टाधिक स्याख्या केंद्र भिजवाया गया जहाँ पर उन्हें विकिसर्य दी गई।

# चर्चिया उपार्जन केन्द्र में फिर घुसे दंतैल, मची अफरा तफरी

**कोरबा:** जिले के चर्चिया धाम उपार्जन केन्द्र में बीती रात दो दंतैल हाथियों के फिर घुसने से अफरा तफरी मच गई। दंतैल हाथियों ने वहाँ घुसकर तीन बोरो धाम को चट कर दिया तथा अन्य बोरो धाम को खिंचे दिया। हाथियों का उपना उपार्जन केन्द्र में लक्ष्मण एक बंद गडक बना। इस दौरान बीकानेर व अन्य कर्मचारी दुबके रहे। बाद में वन विभाग को सूचना दिए जाने पर वन कर्मी मौके पर पहुंचे और उपनि हाथियों को खदेड़ना वन बीकानेर व उपार्जन केन्द्र के कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। इसमें पहले दंतैल हाथी एक ग्रामीण के आंगन में भी घुस गए थे और वहाँ उत्पात मचाते हुए आंगन में रखे धाम को चट कर दिया था। पॉलिथ ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन अमला नुकसानी को आंकलन कर रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक दो दंतैल हाथियों को धमक क्षेत्र में कल शाम होने के बाद हुई। रात होने पर दोनों दंतैल पहले आने के आंगन में घुसे और वहाँ बचने के लिए रखे गए धाम को खाने के बाद उपार्जन केन्द्र पहुंच गए। वहाँ भी दो बोरो धाम को हाथियों ने दो



बोरो धाम को खाने के बाद अन्य कौशियों में रखे धाम को खिंचे दिया। बताया जाता है कि दो दिन पूर्व भी ये दोनों दंतैल उपार्जन केन्द्र में पहुंचे थे और उत्पात मचाते हुए लगभग 20 कुटी धाम को खा गए थे। धाम खाने के बाद दंतैल हाथी कोरबा वन परिक्षेत्र के जंगल होते हुए बालको व अन्य अंगण फुटका पहाड़ पहुंच गए थे। फुटका पहाड़ में एक दिन बीतने के बाद कल सुबह फिर दंतैल हाथियों की वापसी हुई और सप्त खेत के दोनों चर्चिया वन परिसर पहुंच गए और उत्पात मचाना शुरू कर दिया।

## हरियाली पर ग्रहण, जमीन हड़पने के लिए खेल

**कोरबा:** नगर पालिका निगम कोरबा क्षेत्र के ब्रेडीयाग इलाके में हरियाली पर गंभीर धरता बना हुआ। अच्छे भले हर-पेड़ों को कटाई करके पिछले कुछ दिनों से चल रहा है। सरकारी जमीन को हर हाल में हड़पने के लिए इस प्रकार की तर्कों अपनाई जा रही है। सबसे खास बात यह है कि न तो प्रशासन ख्यात बना दे रहा है और न ही सोएसब।

## जिला प्रभारी बेहरा तिलकेजा में लेगे बैठक

**कोरबा:** युवा मोर्चा के जिला प्रभारी राशर बेहरा कोरबा अस्पताल हुआ है उनके द्वारा उरगा मंडल में कार्यकर्ताओं को बैठक ली जाएगी। तिलकेजा में आयोजित बैठक को सफल बनाने के लिए विज्ञान साध, प्रयोग उपाध्याय, सुभाष हलवाई वीरु हूए हैं। न.मनतामों को जेठने के लिए विधानसभा क्षेत्र में भेजने की मांग है। उरगा परभाव ने साराहु क्षेत्र का दौरा करे हुए कार्यकर्ताओं को बैठक ली।

## शोभायात्रा 21 को कोरबा

**कोरबा:** भगवान श्री राम की प्राणप्रतिष्ठा को देखते हुए रत्नामगर में भी 21 जनवरी को हनुमान मंदि 70 घाट से शोभायात्रा निकाली जाएगी।

## शोभायात्रा 21 को कोरबा

**कोरबा:** भगवान श्री राम की प्राणप्रतिष्ठा को देखते हुए रत्नामगर में भी 21 जनवरी को हनुमान मंदि 70 घाट से शोभायात्रा निकाली जाएगी।

## शबरी के बेर भेजे गए श्रीराम को, राम जानकी मंदिर सीतामढ़ी में हुआ रथ का स्वागत



**कोरबा:** जमीनसूद की भारती शिवरीनारायण से अयोध्या में निर्मित भगवान श्री राम मंदिर के लिए विशिष्ट उपहार भेजा गया है। रामायण काल में श्री राम के आगमन पर शबरी ने उन्हें बेर खिलाए थे। ऐसे कई फलों की टोकरी विशेष रूप से साथ अयोध्या भेजी गई। कोरबा के राम जानकी मंदिर सीतामढ़ी में रथ के पहुंचने पर लोगों ने भीतक भाव के साथ स्वागत किया। श्रीराम के समुद्राल मिथिलांचल के अलावा शिवा दीक्षा वाली जगह नेपाल के साथ-साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों से अयोध्या के लिए अनेक उपहार भेजने का सिलसिला जारी है। 22 जनवरी को अपने नए मंदिर में भगवान राम विवाहित होंगे। इसी श्रृंखला में जानकीर चांचा जिले के शिवरीनारायण धार्मिक स्थान से बेर के अलावा अनेक फलों की उपहार के तौर पर अयोध्या भेजा जा रहा है। नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनोज शर्मा और अन्य सहयोगी इस रथ में शामिल है जो दो दिन वाप

अयोध्या पहुंचेंगे। कोरबा के सीतामढ़ी राम जानकी मंदिर क्षेत्र से पहुंचने पर इस रथ का स्वागत किया गया। आचार्य शंकर मिश्र के द्वारा आयोजित विश्वि विधानसभा से पूजन अर्चना कराया गया। श्याम के सुशार मनीज माली ने बताया कि वह हमारे जीवन का सर्वश्रेष्ठ कालाहड है जिसमें मैं श्री राम के मंदिर तक माता शबरी की पहचान लेकर जाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। राधेय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाहक कैलाश नाहक ने बताया कि यह क्षण अपने आप में काफी गौरवशाली है। लखे रामायण काल में छत्तीसगढ़ की कोरी में श्री राम आगमन हुआ था इसलिए यहाँ से भी उपहार आगमन हुआ है। रथ के स्वागत समारोह को प्राथमिकता है। रथ के स्वागत समारोह के साथ-साथ उरमें सहभाग्य करने वालों का सम्मान विभिन्न समजों के लोगों ने किया। इन सभी ने मंगलमय और शुभकारो यात्रा की कामना भी की।

## शबक कीर्तन के साथ निहाल हुई संगत

**कोरबा:** कसूरगढ़ क्षेत्र में सिरख समज द्वारा गुरुद्वारा साहब ने गोविंद सिंह जी की जयंती बड़े ही भवधाम से मनाई गई। यहाँ पर गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ करने के साथ शब्द कीर्तन किया गया। सभी लोगों के द्वारा कीर्तन का आनंद लिया व गुरु गोविंद सिंह जी को याद किया गया। इसके बाद ही समज के द्वारा लोकर की खरखथा की गई जिसमें सभी समज के लोगों द्वारा प्रसाद लिया गया।

## दो वारंटी पकड़ाए कोरबा

**कोरबा:** कोरबाली पुलिस ने वैष्णो दरवार निवासी कैलाश बंडर तथा मोतीसारागढ़ निवासी अनेक सार को वांटे जारी होने पर पकड़कर न्यायालय पेश किया।

## गंवार पति के साथ नहीं होगी जिंदगी की गुजार

### दस्तेयाब हुई विवाहिता- दर्ज कराई बयान

**कोरबा:** पति से लगातार अत्याचार और विवाद तथा उसके लगातार मरना करने की आदतों से परेशान होकर लापता हुई विवाहिता को रत्नामगर चौकी पुलिस कोरबा न्यायालय के समेत कोसाबाड़ी मार्ग से दस्तेयाब कर लिया। जिसने पुलिस को बयान दर्ज करते हुए दो दूक शब्दों में कह दी कि गंवार नरोही पति के साथ जिंदगी नहीं गुजारनी बालि होने के कारण खेड़ा से पूर्व सामाजिक कर्मसे के अनुसार समेत वृद्धा हो चुकी हूँ और अपने मायके नोनदरा धाम करला में पिता के साथ रहकर गुजरा कर लूँगी। इस तरह इस मामले का पताशुद्ध हो गया।



मिली जानकारी के अनुसार करला धाम अंगरत ग्राम नोनदरा निवासी नंदिता बाई यादव उम्र 31 की शादी दो वर्ष पूर्व कंचंदी चौक जगामार धाम बालको नगर निवासी

गुम इशान 46/22 के तहत चर्च का दी। पिछले दिनों क्राम मिदिया में गुम इशान के पंथिण मामलों की निपटारा करने एस्परी जिंदि बुखला ने निर्देश दिया। जिसके परिपालन में रत्नामगर चौकी प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद खूटे ने अपने महादेव प्रथान आरक्षक मनासा साह, प्रथान आरक्षक विनोद को निर्देश दिया कि हर हाल में इस गुम इशान मामले का निपटारा किया जाए, जिसके बाद उपरोक्त पुलिस कर्मियों ने रायदा लखिता बंद की कोरबा न्यायालय के सहायक चौकी के अगले दोरयाब कर लिया। चौकी में ममदाशर देने के बाद भी वह स्पष्ट दो दूक बचवा दी की शोभा नरोही पति के साथ उसका गुजारा नहीं होगा और सामाजिक कर्मसे के तहत उसने स्वच्छा से बालिया होने के कारण उसके साथ रहने से इंकार कर रही हूँ अपने मायके में अपने मायके को बुलवाकर उसके साथ चली गई।

## 51 कुंडीय यज्ञ के साथ हसदेव घाट पर होगा दीपोत्सव

### राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर आयोजन

**कोरबा:** अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कोरबा नगर में अनेक आयोजन करने की योजना बनाई गई है। नगरीय हसदेव कार्यक्रम के अंतर्गत हसदेव दिनांक पर विद्यालय दीपोत्सव होगा। भगवान राम की आरती के साथ यज्ञ नदी संरक्षण को लेकर संकेतन होइया जाएगा।



देवेंद्र पांडेय पूर्व अध्यक्ष छत्रीसाहद राम्य कृषि और ग्रामीण विकास बैंक एवं विकास मंडली प्रदेश कार्यकारणी सदस्य जिला समस नगरिकों से भागीदारी करने का आग्रह किया है।

### हादसे में दो की मौत कोरबा

**कोरबा:** जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत होने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर रावों को पोएम के लिए आज सूबुध जिला अस्पताल के पोचर भिजवा दिया। मिली जानकारी के अनुसार मानिकपुर चौकी क्षेत्रांतर्गत अररिचपारा निवासी सोमण जाई हाले उम्र 45 पति रामचंद्र खलर शबिक से गिरकर घायल हो गई थी। सोमण को उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। इसी तरह केंद्रीय निवासी जीवन लकड़ा उम्र 60 पिता सुजन लकड़ा को सड़क हादसे में घायल होने के बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवा गया था। यहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल चौकी पुलिस ने इस मामले में भी मर्ग कायम कर जाने शुरू कर दी है।

## इंडियन एजुकेशन आइकॉन अवार्ड से नवाजे गए प्राचार्य गुप्ता



### एसईसीएल के बांकी गेस्ट हाउस चौक में लगा रक्तदान महोत्सव शिविर

**कोरबा:** सड़क सुरक्षा माह अभियान के तहत प्रथमो के निर्देशन में एसईसीएल बांकीमोरा के गेस्ट हाउस चौक में यायावत पुलिस ने गुरु गोविंद सिंह जयंती के अवसर पर विशाल रक्तदान महोत्सव शिविर आयोजित किया था। जिसमें लोगों ने बड़े-बड़ेका भाग लिया। इस शिविर में सफल बनने में यायावत ध्यान के एएआरडी मंगन टोली, आरक्षक अजय राजवाड़े के साथ थानेकी सामाजिक एवं श्रमिक संघर्ष ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।



**कोरबा:** शिक्षा के क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान कर स्कूल एवं विद्यार्थियों के उत्कृष्टतम प्रतिक्रिय के कार्य करणा विद्यालय संघपालक का पदम निभाल होता है। प्रथमो को अपने अनुभव एवं कार्य कुशलता से विद्यालय को तारकीके के राह पर ले जाते हैं। ऐसे ही कुजबिान एवं कर्मठ व्यक्तित्व के धनी डॉ. संजय गुप्ता जो कि वर्तमान में इंडियन पब्लिक स्कूल में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। उन्हें इस वर्ष पुनः साईंटी फाइंडेशन द्वारा वर्ष 2024 में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान एवं विशिष्ट प्रबंधन के कार्य तथा कुशल संस्था का संचालन करने के लिए इंडियन एजुकेशन आइकॉन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया।

**कोरबा:** डॉ. सुनीता गांधी (फाउंडर सिटी इंटरनेशनल स्कूल लखनऊ) प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इन सभी महान हस्तियों की उपस्थिति में इंडियन पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता को इंडियन एजुकेशन आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपनी अभिव्यक्ति जाहिर करते हुए डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि मैं सी ई डी फाउंडेशन एवं उसकी टीम को दिल से धन्यवाद देता हूँ। विद्यालय का संचालन एवं बच्चों के प्रतिक्रिया निर्माण हेतु अथवा नये आवाज तलाशना निरंतरैह काफी कठिन कार्य है। परंतु मैं अपनी पुरी निष्ठा एवं लगन से इस काम में लगा रहूँगा। डॉ. संजय गुप्ता को अवार्ड प्राप्त होने पर इंडियन विद्यालय परिवार अत्यंत गौरवमय महसूस कर रहा है। इससे पहले भी डॉ. संजय गुप्ता विभिन्न समारोह से नवाजे गए हैं। साथ ही अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा हर वर्ष सम्मान एवं शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. संजय गुप्ता को सम्मानित किया जाता रहा है।

**XOR Vega**  
ISI हेलमेट उपलब्ध  
वेगा कंपनी के हेलमेट के विभिन्न वेरायटी उपलब्ध है।  
वासु टायर्स  
7828364476

**होटल आकाश**  
सर्व सुविधायुक्त रूम एवं हॉल उपलब्ध  
हॉल - 400Sq.ft. से लेकर 2500Sq.ft. तक  
15 से लेकर 300 व्यक्तियों की व्यवस्था  
बर्थडे पार्टी, लिलक समारोह, कीटी पार्टी एवं हर प्रकार के सामाजिक समारोह के लिए आपके बजट पर हमेशा तैयार मिलेगा।  
संपर्क करें 9425223290, 8908530000, 8103865081